वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) से (ग) 31 मार्च, 1994 की तुलना में 30 सितम्बर, 1994 को मुद्रा प्रसार की दर में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हो गई है। 31 मार्च, 1994 को 85,343 हजार करोड़ रुपये और 30 सितम्बर, 1994 को 88,816 हजार करोड़ रुपये मुद्रा प्रसार में थी। मुद्रा प्रसार में वृद्धि का मुख्य कारण भारतीय रिजर्व बैंक की निवल विदेशी मुद्रा की संचित राशि में दर्शायी गई पूंजीगत अन्तर्प्रवाह का प्रवाह है।

Delinking of UTI fron RBI and IDBI

988. SYED SIBTEY RAZI : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether Social Audit Committee appointed by Unit Trust of India has demanded for delinking of UTI from the Reserve Bank of India and the Industrial Development Bank of India;

(b) if so, the details thereof with background for such demand;

(c) whether Government propose or take any action in the matter; and

(d) if so, details thereof and if not, reasons therefore ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRASHEKARA MURTHY) : (a) and (b) The Social Audit Committee in its reports on the Unit Trust of India has observed that in view of the curren economic liberalisation and existence of a number of mutual funds. It is desirable to delink UTI from the RBI & IDBI as continued links with thera could impose constraints on the UTI.

(c) and (d) Government do not propose to take any action in the mat er. The Report of the Social Audit Committee was ssubmitted to UTI and action, if any, would need therefore to be taken by UTI.

अप्रयुक्त विदेशी निधियां

989. श्री ईश दत्त यादव : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान विभिन्न समाचार पत्रों में छपे इस आशय के समाचार की ओर गया है कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्राप्त विदेश सहायता में से 72945 करोड़ रु० का उपयोग नहीं किया गया है;

(ख) इस संबंध में तथ्य क्या है;

(ग) प्रत्येक परियोजना से संबंधित अप्रयुक्त धनराशि के ब्यौरे सहित उन परियोजनाओं के नाम क्या हैं जिनके संबंध में विदेशी सहायता का उपयोग नहीं किया गया है;

(घ) इस धनराशि का उपयोग न किये जाने के कारण क्या हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा भविष्य में सम्पूर्ण धन राशि का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति):(क) और (ख) जी, हां। 31.3.94 की स्थिति के अनुसार असंवितरित सहायता राशि 78340.78 करोड़ रुपए थी जिसमें भूतपूर्व सोवियत संघ के साथ हस्ताक्षरित 24862.19 करोड़ रुपए की राशि शामिल है;

(ग) एक विवरण अनुबंध-I में संलग्न है। [देखिए परिशिष्ट 172, अनुबंध सं. 26]

(घ) परियोजना से सम्बद्ध सहायता राशि का उपयोग परियोजना की अवधि के दौरान ही किया जाता है। तथापि, आशा के विपरीत राशि के धीमी गति से उपयोग किए जाने के मुख्य कारणों में अपर्याप्त प्रावधान और प्रतिरूप वित्त पोषण करना, वसूली और संविदात्मक विलम्ब, आरम्भ किए जाने और अन्य प्रक्रियात्मक विलम्ब शामिल हैं।